बीईसीसी-101

कला स्नातक (अर्थशास्त्र ऑनर्स) कार्यक्रम
(बी.ए.ई.सी.एच.)

सत्रीय कार्य-2023-24

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–101
पाठ्यक्रम शीर्षक : प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
(2022-23)

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-101, प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखते हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। **ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा देने चाहिए।**

i) **जुलाई 2023 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2024 है।**

ii) **जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 अक्तूबर 2024 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

बीईसीसी-101 : प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.-101
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टी.एम.ए./2023-24
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य 1

निम्नलिखित वर्णनात्मक वर्ग के सभी प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2x 20=40

1) क) निम्नलिखित रेखाचित्र पर विचार करें जहाँ पूंजी (K) तथा श्रम (L) दो उत्पादन के साधन हैं। 800, 900, 1000 तथा 1100 इकाई स्तर के उत्पादन को क्रमशः I_A, I_B, I_C, तथा I_D समोत्पाक वक्र द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

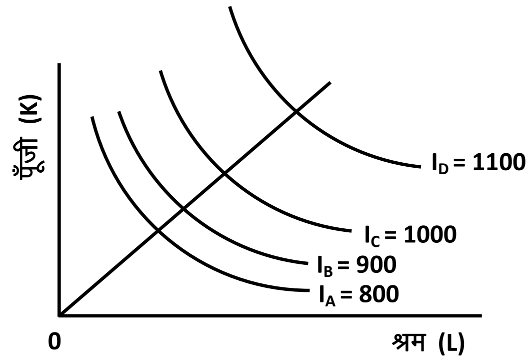

i) उपर्युक्त समोत्पाद वक्रों द्वारा प्रदर्शित पैमाने की प्रतिफल अवस्था को बताइये। कौन-से कारक प्रतिफल अवस्थाओं के लिए उत्तरदायी हैं। **(5)**

ii) किसी फर्म द्वारा उत्पादन का विस्तार प्रति इकाई बढ़ती हुई औसत लागत के साथ होता है। इस विचार को मितव्ययताओं के पैमाने के रूप में व्यक्त करें। इस विचार के पीछे के कारणों को भी बतायें। **(5)**

iii) किसी फर्म द्वारा सामना की जाने वाली आंतरिक मितव्ययताओं एवं बाह्य मितव्ययताओं के पीछे कारणों को बताएं। **(10)**

2) क) उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता बाज़ार के अंतर्गत किसी फर्म द्वारा दीर्घकालीन संतुलन के प्राप्ति हेतु पूरी की जाने वाली शर्तों के बीच तुलना करें। **(10)**

ख) पूर्ण प्रतियोगिता वाले बाज़ार के अंतर्गत कार्यशील एक फर्म का सीमांत लागत फलन इस प्रकार है –

$$MC(Q) = 2Q + 100$$

जिसमें सीमांत लागत MC है, Q उत्पादन की मात्रा है तथा P कीमत है। यदि उत्पादन की प्रति इकाई कीमत रु.60 है तो उत्पादन के किस स्तर पर लाभ अधिकतम होगा? अधिकतम लाभ क्या होगा? किस न्यूनतम कीमत पर फर्म धनात्मक उत्पादन करेगी? **(10)**

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित मध्यम उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

3x 10=30

3. क) रेखाचित्र की सहायता से यह प्रदर्शित करें कि माँग की कीमत लोच जितनी अधिक होगी, उतना ही अधिक कर का भार उत्पादक द्वारा वहन किया जाएगा। **(5)**

   ख) उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर बहु संतुलन स्तर के तहत् माँग एवं पूर्ति की आकृतियों की तुलना एक अद्वितीय संतुलन स्तर के तहत माँग एवं पूर्ति की आकृतियों से कीजिए। **(5)**

4) तकनीकी दक्षता की अवधारणा की व्याख्या करें। यह आवश्यक नहीं कि तकनीकी दक्षता कुल-मिलाकर परेटो अनुकूलतम उत्पाद मिश्र को सुनिश्चित करें। इसके कारण बताएं। **(10)**

5) रेखाचित्र की सहायता से नकारात्मक बाह्यताओं से जुड़ी मृत भार घाटे (deadweight loss) का प्रदर्श करें। इस प्रकार मृत भार घाटे की हानि से किस प्रकार पीगूवीयन (Pigouvian) कर समाधान प्रस्तुत करता है? **(10)**

सत्रीय कार्य-3

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का मान 6 अंक है। **5x 6=30**

6. जब हम किसी उन्नतोदर (convex) समोत्पाद वक्र पर अपर तथा नीचे की ओर गमन करते हैं तब तकनीकी सीमांत स्थानपित्त दर (MRTS) क्यों घटती है?

7. 'उपभोक्ता की बचत की अवधारणा ह्रासमान सीमांत उपयोगिता के नियम से व्युत्पन्न की जाती है'– व्याख्या करें।

8. अंतर्पण्य (Arbitrage) से आप क्या समझते हैं?

9. आभासी लगान की अवधारणा अन्य उत्पत्ति के साधनों के लिए रिकार्डियन (Ricardian) लगान की अवधारणा का ही विस्तार है। विवेचना करें।

10. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के तहत् दीर्घकालीन संतुलन से जुड़ी अतिरेक क्षमता की अवधारणा की चर्चा कीजिए।